हिन्दी दैनिक

नवशक्ति

RNI-BIHHIN/2012/43368

www.navshaktinews.in

navshakti news paper patna

वर्ष : 13, अंक : 287 | पटना, मंगलवार, 10 दिसम्बर, 2024 | पृष्ठ, : 8 मूल्य : दो रुपये

संपादकीय

भाजपा द्वारा बिहार में ज्यादा सीटें हासिल करने पर भी नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया था, महाराष्ट्र में भी फामूर्ला लागू किया

जे पी चौधरी

भाजपा के दिग्गज नेता देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। सत्ता का खेल देखिए पिछली पारी में फडणवीस मुख्यमंत्री बनने के बाद सरकार में उपमुख्यमंत्री बने थे, वहीं इस बार पिछली बार के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री बने हैं। सत्ता का आंकड़ा पक्ष में न होते हुए भी शिंदे अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर विराम नहीं लगा पाए। तभी नवंबर में स्पष्ट बहुमत हासिल करने वाले महायुति गठबंधन को दिसंबर में सरकार बनानी पड़ी। चुनाव में तय हुए राजनीतिक कद से इतर शिंदे ज्यादा हासिल करने के प्रयास में सिर्फ शपथ ग्रहण समारोह को आगे ही बढ़ा सके। लेकिन दीवार पर लिखी इबारत स्पष्ट थी कि महायुति की प्रचंड जीत में शिवसेना का शिंदे गुट भाजपा की सीटों के मुकाबले आधी सीटें भी हासिल नहीं कर पाया। फिर भी उनके समर्थक आस लगा रहे थे कि बिहार की तर्ज पर भाजपा फैसला लेगी, जिसमें भाजपा द्वारा ज्यादा सीटें हासिल करने पर भी नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया था। लेकिन कुछ इंतजार के बाद भाजपा ने एकनाथ शिंदे को बता दिया कि सरकार के नाथ फडणवीस ही होंगे। जाहिर है भाजपा ने राजनीतिक चतुराई से महाराष्ट्र की राजनीति को संचालित करने वाली शिवसेना व राष्ट्रवादी कांग्रेस में विभाजन का लाभ उठाकर खुद को मजबूत स्थिति में ला दिया है। वहीं अपने सहयोगियों को ऐसी स्थिति में ला दिया है कि सत्ता की चाबी किसी एक के हाथ में न रह सके। निस्संदेह, आज देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में भाजपा ने महाराष्ट्र की राजनीति में अपनी जमीन मजबूत कर ली है। बहरहाल, हकीकत यही है कि फडणवीस महाराष्ट्र में तीसरी बार मुख्यमंत्री बन गए हैं। लेकिन इस बार उनके सामने पहले से ज्यादा चुनौतियां खड़ी हैं। मुख्यमंत्री के रूप में उनका पहला कार्यकाल अच्छा माना जाता है। राज्य के लोग उनकी सरकार द्वारा किए गए कार्यों को याद करते हैं।

हालांकि, फडणवीस जब पहली बार मुख्यमंत्री बने थे तो उनके पास राज्य में प्रशासन चलाने का अनुभव नहीं था। लेकिन उन्होंने बखूबी सरकार चलायी। मगर पिछली बार भी राज्य में सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद उद्धव ठाकरे की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के चलते वे मुख्यमंत्री बनने से वंचित रह गए। बल्कि कालांतर उन्हें उपमुख्यमंत्री का पद संभालना पड़ा। लेकिन उन्होंने भाजपा आलाकमान के फैसले को सहजता से स्वीकार किया। जिसका लाभ उन्हें इस बार मिला, जब पार्टी नेतृत्व ने उन्हें प्राकृतिक रूप से मुख्यमंत्री पद का दावेदार माना। उनकी सफलता के पीछे पहले कार्यकाल में हुए महत्वपूर्ण कार्य भी रहे हैं। जिसमें किसानों के जल संकट को दूर करने वाली जलयुक्त शिविर योजना, मुंबई-नागपुर को जोड़ने वाली पचपन हजार करोड़ की एक्सप्रेस परियोजना व मेट्रो नेटवर्क के विस्तार से भाजपा के जनाधार को बढ़ाने वाला बताया जाता है। लेकिन आज राज्य की आर्थिक स्थिति संतोषजनक नहीं रही। राजकोषीय घाटे को लेकर चिंताएं हैं। बेरोजगारी बड़ी समस्या है। पूंजीगत खर्चों में कमी आई है तो राजस्व भी घटा है। वहीं आने वाले दिनों में मराठा आरक्षण का जिन्न बोतल से बाहर आ सकता है। हालिया विधानसभा चुनाव में जमीन खिसकने से आहत मराठा क्षत्रप इस मुहिम को हवा दे सकते हैं। वहीं ओबीसी वर्ग को फिक्र है कि कहीं उनके हिस्से का आरक्षण मराठाओं को न दे दिया जाए। महायुति गठबंधन ने मराठा आंदोलनकारियों को राहत देने का आश्वासन दिया है। उम्मीद है कि फडणवीस सरकार में शामिल दो मराठा क्षत्रप शिंदे व पवार संकटमोचक की भूमिका निभा सकते हैं। वैसे इस मुद्दे पर अदालत की भी बड़ी भूमिका होगी। फडणवीस सरकार के सामने चुनौती होगी कि हालिया विधानसभा चुनाव में गेमचेंजर बतायी जा रही ह्यलाडकी बहिनाह्ल योजना के तहत बढ़ाकर दी जाने वाली बड़ी धनराशि के लिये वित्तीय संसाधन सरकार कैसे जुटाती है। चुनावी वायदे के अनुसार लक्षित महिला समूह को अब पंद्रह सौ के बजाय 2100 रुपये की राशि दी जानी है। वह भी तब जब राज्य के वित्तीय संसाधन सिमटे हैं।

भारत के एमएसएमई देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ करने के साथ ही वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं: प्रधानमंत्री

दिल्ली , (नवशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जयपुर, राजस्थान में राइजिंग राजस्थान वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन 2024 और राजस्थान वैश्विक व्यापार एक्सपो का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने जयपुर प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केन्द्र (जेईसीसी) में अपने संबोधन में कहा कि राजस्थान की सफलता की दिशा में आज एक और विशेष दिन है। गुलाबी नगर जयपुर में राइजिंग राजस्थान वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन 2024 के लिए उन्होंने उद्योग और व्यापार जगत के दिग्गजों, निवेशकों और प्रतिनिधियों को बधाई दी। इस भव्य आयोजन के लिए उन्होंने राजस्थान सरकार को भी बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में कारोबारी माहौल से व्यापारिक विशेषज्ञ और निवेशक उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म और रिफॉर्म के मंत्र के साथ भारत में जो प्रगति हुई है, वह हर क्षेत्र में दिख रही है। श्री मोदी ने कहा कि देश की आजादी के सात दशक बाद भारत दुनिया की ग्यारहवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में सक्षम था लेकिन पिछले एक दशक में ही

वह दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। श्री मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था और निर्यात लगभग दोगुना हो गया है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले के दशकों की तुलना में पिछले दशक में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में भी दोगुने से अधिक वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि भारत का आधारभूत संरचना परिव्यय लगभग 2 ट्रिलियन रुपये से बढ़कर 11 ट्रिलियन पहुंच गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की सफलता लोकतंत्र, जनसांख्यिकी, डिजिटल डाटा और वितरण की शक्ति को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में लोकतंत्र की सफलता और सशक्तिकरण स्वयं एक बड़ी उपलब्धि है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक लोकतांत्रिक देश होने के नाते भारतीय दर्शन का मूल मानव कल्याण है। उन्होंने कहा कि भारत का मूल चरित्र ही यही है। उन्होंने देशवासियों द्वारा अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रयोग से भारत में एक स्थिर सरकार सुनिश्चित करने की सराहना की। श्री मोदी ने भारत की प्राचीन परंपराओं को आगे बढ़ाने की युवा शक्ति की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि आगामी वर्षों में भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक होगा, साथ ही युवाओं की सर्वाधिक संख्या होने के साथ ही भारत में सबसे विशाल कौशलयुक्त युवा समूह भी होगा। उन्होंने कहा कि सरकार इस दिशा में कई सकारात्मक कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री ने विश्व की सबसे बड़ी खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का मशाल जलाकर किया शुभारंभ

पटना। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने विश्व की सबसे बड़ी खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता 'बिहार खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता' का मशाल जलाकर शुभारंभ किया। पाटलिपुत्र खेल परिसर, कंकड़बाग के इंडोर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बिहार खेल छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु सात उत्कृष्ट खिलाड़ियों को 20 लाख रुपए सलाना की छात्रवृत्ति प्रदान की।

खिलाड़ियों के बीच मुख्यमंत्री ने खेल किट का भी वितरण किया। शुभारंभ समारोह में बिहार बालिका वुशु टीम की खिलाड़ियों ने ताउलू एवं वॉल माउटिंग का लाइव प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री के समक्ष बिहार खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता पर आधारित लघु वृतचित्र प्रदर्शित की गयी। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान के साथ की गयी। खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री के साथ सामूहिक तस्वीर भी खिंचवाई। ज्ञातव्य है कि 'बिहार खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता' राज्य सरकार की खेल और खिलाडियों के सर्वांगीण विकास की प्रतिबद्धता के अनुरूप अत्यंत महत्वपूर्ण और महात्वाकांक्षी योजना है। इसका मूल उद्देश्य राज्य में खेल

संस्कृति के विकास को बढ़ावा देना है। इस खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के माध्यम से स्कूली छात्रों तथा स्कूल से बाहर के प्रतिभावान खिलाडियों की पहचान कर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों के द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बनाना है ताकि वर्ष 2032 और वर्ष 2036 में आयोजित होने वाले ओलंपिक गेम्स में राज्य और देश के लिए पदक जीत सकें। इस प्रतियोगिता में राज्य के करीब 40 हजार सरकारी माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लगभग 60 लाख प्रतिभावान खिलाड़ी शामिल होंगे। इसके साथ-साथ ऐसे प्रतिभावान खिलाड़ी जो स्कूल से बाहर हैं, उन्हें भी इस खोज प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका मिलेगा। इसके जरिये प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन प्रखंड स्तर, जिला स्तर, प्रमंडल स्तर एवं राज्य स्तर की प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा। इसके लिये एथलेटिक्स, कबड्डी, फुटबॉल और वालीबॉल खेल विधा में प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। एथलेटिक्स के अंतर्गत दौड़, लंबी कूद और क्रिकेट बॉल थ्रो शामिल है। यह प्रतियोगिता 14 वर्ष से कम आयु वर्ग और 16 वर्ष से कम आयु वर्ग श्रेणी में बालक और बालिका दोनों के लिए आयोजित की जायेगी। बिहार खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, खेल विभाग, शिक्षा विभाग, एस०सी०ई०आर०टी० और बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में शामिल होने वाले विभिन्न स्तर के विजेता खिलाड़ियों को मेडल, ई-सर्टिफिकेट देने के साथ ही कुल 10 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार भी खिलाड़ियों के बीच वितरित किया जायेगा।

बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में शामिल हुये मुख्यमंत्री

पटना। मुख्यमंत्री-सह-कुलाधिपति, बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय श्री नीतीश कुमार ने आज बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया। समारोह में मुख्यमंत्री ने अभियंत्रण परीक्षा में अव्वल आने वाले छात्र-छात्राओं को डिग्री, मेडल एवं लैपटॉप प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की गयी विभागीय उपलब्धियों पर आधारित लघु फिल्म मुख्यमंत्री के समक्ष प्रदर्शित की गयी। मुख्यमंत्री ने बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद' में आयोजित दीक्षांत समारोह में विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की सचिव डॉ० प्रतिमा ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका अभिनंदन किया।

कार्यक्रम के अंत में सम्मानित होनेवाले छात्र-छात्राओं ने मुख्यमंत्री के साथ सामूहिक तस्वीर खिंचवाई। मुख्यमंत्री ने सम्मानित होनेवाले छात्रों को बधाई एवं शुभकामनायें देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ज्ञातव्य है कि बिहार सरकार के सात निश्चय कार्यक्रम के तहत सभी जिलों में राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय की स्थापना करायी गयी है। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की यह परिकल्पना थी कि राज्य में अलग से एक स्वतंत्र अभियंत्रण विश्वविद्यालय की स्थापना की जाय ताकि पठन-पाठन का सत्र नियमित रूप से होने के साथ-साथ तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार हो सके। इसको ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी है।

विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। प्रत्येक अभियंत्रण महाविद्यालय में उच्चस्तरीय आधारभूत संरचना, उच्च गुणवत्ता के प्रयोगशाला, वर्कशॉप एवं स्मार्ट क्लासरूम का निर्माण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री की सोच के अनुरूप अभियंत्रण महाविद्यालय को पूर्ण रूप से आवासीय बनाया जा रहा है जहां छात्रावास एवं शिक्षकों के लिए आवास का निर्माण कराया जा रहा है। अभियंत्रण महाविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने एवं विभिन्न प्रकार की नयी-नयी तकनीकों का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद, योग प्रशिक्षण एवं मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान दिया जा रहा है। सरकार के इन सकारात्मक प्रयासों का असर छात्रों के नियोजन पर पड़ा है। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं का नियोजन अच्छे-अच्छे संस्थानों में हो रही है।इस मौके पर उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री श्री सुनील कुमार, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री सुमित कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ० एस० सिद्धार्थ, विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की सचिव डॉ० प्रतिमा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सुरेश कांत वर्मा सहित बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय से जुड़े शिक्षकगण / कर्मचारीगण, छात्र-छात्राएं एवं अभिभावकगण उपस्थित थे।

केंद्रीय उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने जेवर हवाई अड्डे पर पहली वैलिडेशन फ्लाइट की लैंडिंग का निरीक्षण किया

दिल्ली , (नवशक्ति)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनआईए) पर आज पहली वैलिडेशन फ्लाइट सफलतापूर्वक उतरी, जो ऑपरेशनल तत्परता की दिशा में इसकी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई। इस अवसर पर नागरिक उड्डयन मंत्री श्री राम मोहन नायडू, गौतम बुद्ध नगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा और जेवर के विधायक श्री धीरेंद्र सिंह मौजूद थे। इंडिगो की फ्लाइट दोपहर में हवाई अड्डे पर उतरी, जिसे औपचारिक वाटर कैनन सैल्यूट और परियोजना के साइट कर्मचारियो द्वारा जोरदार तालियों से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव, वुमलुनमंग वुलनाम, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अध्यक्ष विपिन कुमार, उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव श्री एसपी गोयल सहित वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।इस

उड़ान ने हवाई अड्डे की आगमन और प्रस्थान प्रक्रियाओं, नेविगेशनल सहायता और हवाई यातायात नियंत्रण प्रणालियों की सटीकता सुनिश्चित हुई। नागरिक उड्डयन मंत्री श्री राम मोहन नायडू ने पूरी टीम के प्रयासों की सराहना की और कहा कि जेवर हवाई अड्डे से भारत में हवाई यात्रा और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बदल जाएगी। उन्होने कहा कि यह हवाई अड्डा 2025 में एक चालू रनवे के साथ खुलेगा और सालाना 12 मिलियन यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह हवाई अड्डा अपने डिजाइन, शिल्प कौशल और यात्री सेवाओं के माध्यम से उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और पहचान को दशार्ते हुए विश्व स्तरीय सुविधा के रूप में काम करेगा।श्री राम मोहन नायडू ने जेवर के किसानों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया, जिनकी मदद से उत्तर प्रदेश को अपने 17वे हवाई अड्डे को वास्तविकता बनाने में महत्वपूर्ण मदद मिली।

अपने दौरे के दौरान, श्री नायडू ने हवाई अड्डे के संचालक के साथ एक समीक्षा बैठक की और उन्हें परियोजना की समय-सीमा का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया ताकि अप्रैल 2025 तक हवाई अड्डे का संचालन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने जेवर हवाई अड्डे के लिए ऐसी सेवाएँ प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया जो नए मानक स्थापित करती हैं, जिसमें बुनियादी ढाँचा वास्तव में विश्व स्तरीय है और जिसमें स्थानीय संस्कृति और शिल्प कौशल के तत्व शामिल हैं। उन्होंने सड़क, रेल और मेट्रो लिंक सहित कनेक्टिविटी योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की और भविष्य की हाई-स्पीड रेल कनेक्टिविटी पर चर्चा की, जो हवाई अड्डे को व्यापक क्षेत्रीय और राष्ट्रीय परिवहन नेटवर्क के साथ जोड सकती है। उन्होने ने पर्यावरण के अनुकूल बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए हवाई अड्डे को बिजली देने के लिए सौर ऊर्जा के उपयोग जैसे उपायों पर विशेष ध्यान दिया।

श्री नायडू ने इस परियोजना की अपार आर्थिक संभावनाओं को रेखांकित किया, जिससे हजारों नौकरियां पैदा होने, पर्यटन को बढ़ावा मिलने और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में क्षेत्रीय विकास को गति मिलने की उम्मीद है। उन्होंने साइट पर काम करने वाले कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया और एशिया के सबसे बड़े हवाई अड्डे को बनाने में उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण को स्वीकार किया।

श्री राम मोहन नायडू ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन की सराहना की जिनके नेतृत्व में भारत अभूतपूर्व बुनियादी ढांचे के विकास का अनुभव कर रहा है। उन्होने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की भी सराहना की जिनके प्रयासों से इस ऐतिहासिक परियोजना का तेजी से क्रियान्वयन सुनिश्चित हुआ है।

धूमधाम से मनाया गया सोनिया गांधी का 78 वाँ जन्मदिन

सदाकत आश्रम में केक काटकर सोनिया गांधी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह सहित वरिष्ठ नेताओं ने आज सदाकत आश्रम में केक काटकर पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी का जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि भारतीय राजनीति में सुचिता और त्याग की प्रतीक सोनिया गांधी ने देश में राजनीतिक जीवन को एक आदर्श प्रदान किया है। भारतीय राजनीति में शायद ही त्याग की ऐसी प्रतिमूर्ति मिलें। सोनिया गांधी से सभी कांग्रेसजन को प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व- राजीव गांधी के निधन के उपरांत जब कांग्रेस पार्टी की स्थिति पूरे देश में काफी कमजोर हो गई थी।ऐसा लगने लगा था कि कांग्रेस फिर से सत्ता में कभी वापस नहीं आ पाएगी।उस वक्त सोनिया गांधी ने सिर्फ पार्टी को राष्ट्र सेवा के लिए सक्षम बनाने हेतु राजनीति में प्रवेश किया।उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी के कारण ही कांग्रेस फिर से अपने पैरों पर खड़ा होकर सत्ता प्राप्त कर सकी।उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी के नेतृत्व में देश में दो बार कांग्रेस ने संसदीय चुनाव में विजय प्राप्त किया।उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी के नेतृत्व में ही यह संभव है कि एक दिन पूरे देश में कांग्रेस फिर से जनता के संपूर्ण हृदयस्थल से लेकर सत्ता के शीर्ष तक पुनः स्थापित हो जाएगी।डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने श्रीमती सोनिया गाँधी जी के लम्बे जीवन और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की है।

बिहार कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि त्याग और स्नेह की प्रतिमूर्ति सोनिया गांधी ने आजीवन वसुधैव कुटुम्बकम्-के अवधारणा को अपनाया। सोनिया गांधी का विचार और जीवन शैली दोनों राजनीतिक आदर्श है। सदाकत आश्रम में जन्मदिन कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के अलावे प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष प्रो. रामजतन सिन्हा, विधान पार्षद डॉ समीर कुमार सिंह, प्रतिमा कुमारी दास, नरेन्द्र कुमार, डॉ ज्योति, कोषाध्यक्ष निर्मल वर्मा, मीडिया चेयरमैन राजेश राठौड़, ब्रजेश प्रसाद मुनन, लाल बाबू लाल, बंटी चौधरी, प्रमोद कुमार सिंह, डॉ अजय कुमार सिंह, डॉ विनोद यादव, विनय वर्मा, चन्द्रप्रकाश सिंह, नूतन पाण्डेय, उमेर खान, मिन्नत रहमानी, निधि पाण्डेय, राज किशोर सिंह, मधुरेन्द्र कुमार सिंह, शाश्वत कुमार पाण्डेय आशुतोष शर्मा, मनोज मेहता, शशिकांत तिवारी रीता सिंह, ललन यादव, उदय शंकर पटेल, मंजीत आनन्द साहू, सुदय शर्मा, मो कामरान रवि गोल्डन ,बीअब्दुल बाकी सज्जन, गुरूदयाल सिंह, मोहम्मद शाहनवाज, विशाल रंजन, अमित सिकन्दर,, विमलेश तिवारी, मिथिलेश शर्मा मधुकर, सिद्धार्थ क्षत्रिय, ताहिर अनीस खां, मृगेन्द्र कुमार सिंह, मुन्दिका सिंह यादव, मनोज कुमार यादव, सहित अन्य कांग्रेसजन शामिल थे।

राज्य में अनुसूचित जातियों पर लगातार हो रहे अत्याचार, प्रशासन विफल : आदित्य पासवान

पटना , (संवाददाता)। राज्य में अनुसूचित जातियों पर लगातार हमले हो रहे हैं और उनकी हत्याएं की जा रही हैं उनके खिलाफ अत्याचार के मामलों में भी तेजी से वृद्धि हुई है ।उक्त बातें बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड के अध्यक्ष आदित्य पासवान ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कही है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जातियों में खासकर रविदास , पासवान और मुसहर समुदाय के लोगों को को निशाना बनाया जा रहा है।

पिछले दिनों मामला मसौढ़ी में पदस्थापित एस.एन. पासवान के साथ हो रही है उन्हें जातिसूचक गालियां और मारपीट की जाती है। जिसने सामाजिक समानता और न्याय पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है।बताते चले किमसौढ़ी में वरीय चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर रामानुजम प्रकाश और गार्ड अरुण कुमार सिंह द्वारा एस.एन. पासवान को जातिसूचक गालियां दी गईं और उनके डॉक्टर बनने पर सवाल उठाया गया कि दुसाध-चमार तुम डॉक्टर कैसे बन गया ?इस घटना की शिकायत जिला अधिकारी, स्वास्थ्य सचिव, और सिविल सर्जन को कई बार दी गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई ।डॉक्टर एस एन पासवान के साथ 2020, 2022 और 2024 से बार-बार ये घटनाएं घटित हो रही हैं ।लेक8न प्रशासन करवाई करनर में विफल है। श्री ढआसवन ने दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।उन्हों अत्याचार रोकने के लिए ठोस नीतिः बिहार सरकार अनुसूचित जातियों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों को रोकने के लिए एक ठोस और प्रभावी नीति बनाने का अनुरोध किय।

अनुसूचित जाति के व्यक्तियों पर हो रहे अत्याचारों की जांच के लिए एक स्वतंत्र समिति बनाई जाए। जागरूकता अभियान, कानूनी सहायता देने के साथ सरकार से अपील किया है कि बिहार सरकार जातिगत भेदभाव और अत्याचार की घटनाओं पर तुरंत रोक लगाने के लिए प्रभावी कदम उठाये।

मोदी सरकार देश में स्वास्थ्य को लेकर हॉलिस्टिक अप्रोच के साथ काम कर रही है : अरविन्द सिंह

पटना। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा है कि कांग्रेस राजद के शासनकाल में स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थितियां बहुत कठिन हुआ करती थी। अस्पताल बहुत ही काम थे, डॉक्टरों की संख्या बहुत ही कम थी, दवाइयां बहुत महंगी थी, बीमारी की जांच का कोई ठिकाना नहीं था, और राजद कांग्रेस शासनकाल में सिर्फ वादों और दावों में ही जनता को उलझाए रखती थी। गरीब के पास चुपचाप बीमारी सहने के अलावा और कोई चारा नहीं था। ऐसी स्थिति में हमारा देश कैसे आगे बढ़ता, इसलिए मोदी सरकार ने पुरानी सोच और अप्रोच दोनों को बदला।कोई परिवार नहीं चाहता कि उसके घर में कोई बीमार पड़े। शरीर स्वस्थ रहे इसके लिए लोगों को आयुर्वेद, पोषक खान-पान का महत्व लोगों को मोदी सरकार में बताया जा रहा है। फिट इंडिया मूवमेंट चलाया जा रहा है। ज्यादातर सामान्य बीमारियों की वजह गंदगी, दूषित खान-पान, खराब जीवनशैली होती है। इसलिए मोदी सरकार में स्वच्छ भारत अभियान, हर घर शौचालय, नल से जल जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं। ऐसे आयोजनों से शहर गांव तो स्वच्छ बनता ही है, बीमारियां फैलने की गुंजाइश भी कम होती है। श्री अरविन्द ने कहा कि ज्यादातर बीमारियों का अगर समय रहते इलाज शुरू कर दिया जाए तो उन्हें गंभीर होने से रोका जा सकता है, लेकिन महंगी जांच की वजह से अक्सर लोग बीमारी के बारे में जान ही नहीं पाते, इसलिए मोदी सरकार ने देश भर में डेढ़ लाख से ज्यादा आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाएं हैं। इससे कैंसर, डायबिटीज जैसी अनेक बीमारियों के बारे में शुरू में ही पता लग सकता है। वहीं *आयुष्मान भारत योजना से अब तक देश में 4 करोड़ से अधिक गरीब मरीजों का इलाज हो चुका है। अगर आयुष्मान भारत योजना ना होती तो इनमें से ज्यादातर लोग अस्पताल में भर्ती ही नहीं हो पाते। इनके जीवन के बहुत बड़ी चिंता मोदी सरकार की योजना से दूर हुई। और इन गरीबों का इलाज सरकारी अस्पतालों के साथ ही प्राइवेट अस्पतालों में भी हुआ है। आयुष्मान योजना से करोड़ों परिवारों को करीब सवा लाख करोड़ रुपए की बचत हुई है। आयुष्मान भारत योजना जनता के लिए वरदान साबित हुई है। मोदी सरकार देश में स्वास्थ्य को लेकर हॉलिस्टिक अप्रोच के साथ काम कर रही है।

हिंद की चादर शीर्षक बख्यानमाला आयोजित

बृजेश गोस्वामी

पटना सिटी। बिहार सिख फेडरेशन ने श्री गुरु तेग बहादुर जी के 349 व शहादत दिवस पर हिंद की चादरर पर व्याख्यान माला का आयोजन किया ।श्री गुरु गोविंद सिंह गर्ल्स स्कूल में आयोजित कार्यक्रम मे विद्यालय के अध्यक्ष शह गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य सरदार राजा सिंह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरदार महेंद्र पाल सिंह ढिल्लों, सचिव सरदार हरबंस सिंह बड़ी पटन देवी के महंत एवं धार्मिक न्यास बोर्ड के सदस्य विजय शंकर गिरी ,वरिष्ठ अधिवक्ता सत्येंद्र मिश्रा , मानवाधिकार संघ के सदस्य श्री आनंद मोहन झा ,सरदार योगेश्वर सिंह एवं सरदार राजेश सिंह अकाली विशिष्ट अतिथि सहित गणमान्य हरभजन सिंह ,सुरेंद्र प्रसाद एवं तेजिंदर सिंह बग्गा को फेडरेशन के

अध्यक्ष दिलीप सिंह पटेल उपाध्यक्ष सरदार शेर सिंह महासचिव सरदार सूरज सिंह कोषाध्यक्ष सरदार रणजीत सिंह ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। अध्यक्ष सरदार दिलीप सिंह पटेल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए फेडरेशन के द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश देतेहुए कहा कि फेडरेशन इसी तरह से कार्यक्रम का आयोजित कर गुरु के संदेश और उपदेश को जन जन तक पहुचने का कार्य करेग कर रहा है।

पटना साहिब के मुख्य कथा वाचक ज्ञानी दलजीत सिंह जी ने गुरु तेग बहादुर के बलिदान के इतिहास को बतय।उन्होंने कहा कि गुरु साहब ने 11 नवंबर 1675 को दिल्ली के चांदनी चौक पर कश्मीर के पंडितों के आग्रह पर हिंदू सनातन धर्म को बचाने के लिए अपने तीन साथियों के साथ इस्लाम धर्म ना कबूल करने पर औरंगजेब के द्वारा इनको शहीद किया गया था। हिंदू धर्म को बचाया इसलिए इन्हें हिंद की चादर कहते हैं। योगेश्वर सिंह और सरदार राजेश सिंह आकली ने भीअपने विचार रखें ।संस्थापक सरदार त्रिलोक से निषाद द्वारा लिखी गई हिंद की चादर पुस्तक का विमोचन हुआ। साथ गुरुद्वारा शीशगंज दिल्ली का दर्शन कराया जाएगा और फेडरेशन के द्वारा इस तरह के कार्यक्रम करने पर बधाई दी और हर तरह से सहयोग करने का घोषणा किया मंच का संचालन संस्थापक त कार्यक्रम में बिहार सिख फेडरेशन के अध्यक्ष दिलीप सिंह पटेल ने किया।

उपाध्यक्ष सरदार शेर सिंह महासचिव सरदार सूरज सिंह कोषाध्यक्ष एवं संगठन मंत्री सरदार रणजीत सिंह मुकुल ,आनंद सिंह भोला सिंह हरदेव सिंह बाजवा अनिल सिंह विजय सिंह, रामखेलावन सिंह ,धर्मवीर सिंह सुजीत सिंह दिलीप सिंह रागी ,दलजीत सिंह सुनील सिंह ,जगजीत, परमजीत सिंह सिंह, मनजीत सिंह राजवीर सिंह ,दीपक सिंह हरजीत कौर, बिमला कौर के अलावे सैकड़ो लोगों ने भाग लिया।

संक्षिप्त समाचार

इंडी की बारात में तेजस्वी की हैसियत बैंडवाले जैसी : प्रभाकर

पटना। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव 'इंडी' गठबंधन के नेतृत्व को लेकर आजकल बहुत फड़फड़ा रहे हैं। लेकिन, सच है कि 'इंडी' की बारात में तेजस्वी की हैसियत एक बैंड वाले से ज्यादा कुछ नहीं है। श्री मिश्र ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि हरियाणा और महाराष्ट्र में करारी हार के बाद 'इंडी' गठबंधन में सिर फुटौव्वल की स्थिति है। हार की हताशा इतनी गहरी है कि नेतृत्व को लेकर घमासान मचा है। कोई किसी का नेतृत्व स्वीकार करने को तैयार नहीं है। असल में इंडी गठबंधन घमंडियों और भ्रष्टाचारियों का जमावड़ा है। इनका घमंड सातवें आसमान पर है। घमंड ही इनके विनाश का कारण बनेगा। श्री मिश्र ने कहा कि इंडी गठबंधन का नामोनिशान जल्द ही मिटने वाला है। इंडी गठबंधन के नेता हार का ठीकरा एक-दूसरे पर फोड़ने में जुटे हैं। इंडी गठबंधन का नेतृत्व चाहे कोई करे, जनता इस गठबंधन को पूरी तरह नकार चुकी है। इंडी के हार का सिलसिला अभी थमने वाला नहीं है। इसका अस्तित्व जल्द ही खत्म हो जाएगा। बिहार विधानसभा चुनाव में भी करारी हार तय है। बिहार की हार इंडी गठबंधन के ताबूत की आखिरी कील साबित होगी।

हर घर नल का जल निश्चय: 1.16 लाख से अधिक योजनाओं का निरीक्षण, 14,559 असंतोषजनक योजनाओं की मरम्मत पूरी, अब स्वच्छ नीर एप्प के माध्यम से भी शिकायत दर्ज करने की सुविधा

पटना। 'हर घर नल का जल' पेयजल आपूर्ति निश्चय योजना के अंतर्गत बंद या असंतोषजनक योजनाओं को लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा चिन्हित कर, मरम्मति का कार्य कराया जा रहा है। माननीय मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, श्री नीरज कुमार सिंह ने बताया कि विभाग द्वारा पेयजल मोबाइल एप के माध्यम से अब तक 1,16,000 से अधिक योजनाओं की जाँच करवाई गई है, जिसमें असंतोषजनक पायी गयी योजनाओं में से 14,000 से अधिक की मरम्मति कारवाई जा चुकी है । माननीय मंत्री ने कहा कि शेष असंतोषजनक पायी गयी योजनाओं की मरम्मति शीघ्रता से की जा रही है, सरकार प्रत्येक घर को निरंतर और सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा निर्मित एवं संचालित 52,250 से अधिक योजनाओं का पेयजल मोबाइल एप के माध्यम से निरीक्षण किया जा चुका है, जिसमें कुल 2,088 योजनाओं की मरम्मति कारवाई गई, मरम्मति के उपरांत अब लगभग 95% योजना पूर्ण रूप से कार्यरत है। इसी प्रकार पंचायती राज विभाग से हस्तांतरित योजनाओं में 68,000 से अधिक योजनाओं का निरीक्षण किया गया, जिसमें कुल 12,471 असंतोषजनक पायी गयी योजनाओं के मरम्मति का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष बची असंतोषजनक या बंद योजनाओं का कार्य त्वरित गति से कराया जा रहा है।विदित हो कि 'हर घर नल का जल' अंतर्गत जलापूर्ति योजनाओं के निरीक्षण के लिए दिनांकः 20-21 नवंबर 2024 को राज्य व्यापी अभियान चलाया गया था, जिसमें विभाग द्वारा विकसित पेयजल मोबाइल एप के माध्यम से जिला के पदाधिकारियों/कर्मियों द्वारा 1,00,000 से अधिक योजनाओं का सर्वेक्षण किया गया था। अभियान में बंद या असंतोषजनक पायी गयी योजनाओं को जल्द से जल्द कार्यरत बनाया जाना है, जिसके लिए विभाग क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत की जा रही कार्रवाई रिपोर्ट के माध्यम से योजनाओं की मरम्मति का सतत अनुश्रवण दैनिक आधार पर कर रहा है। साथ ही जलापूर्ति योजनाओं के सफल कार्यान्वयन हेतु विभाग ने हाल ही में स्वच्छ नीर एप्प भी लांच किया है, जिसके माध्यम से आम नागरिक अब जलापूर्ति योजना संबंधित शिकायत घर बैठ-बैठे इस एप्प के माध्यम से कर सकेंगे।

हर जरुरतमंद को रक्त प्रदान करने की हो रही कोशिशः मंगल पांडेय

अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी जरुरतमंदों को आसानी से मिलेगा ब्लड

पटना। स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पांडेय ने कहा कि बिहार में रक्त की जरुरत होने पर अब परेशान होने की जरुरत नहीं है। राज्य में संचालित सभी सरकारी और गैर सरकारी 126 रक्त केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में रक्त उपलब्धता की कोशिश की जा रही है। जहां जरुरतमंदों को उनकी जरुरत के हिसाब से रक्त उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावे रक्त की जरुरत पड़ने पर आम जन राज्य सरकार के हेल्प लाइन नंबर 104 पर भी संपर्क कर सकते हैं। संपर्क करने पर उन्हें तत्काल रक्त उपलब्ध कराया जाएगा। राज्य में रक्त केंद्रों में रक्त केन्द्रों एवं रक्त उपलब्धता के विषय में ई-रक्त कोष मोबाईल एप्प से भी जानकारी ली जा सकती है। श्री पांडेय ने कहा कि राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में ब्लड बैंकों की कमी के संकट को भी दूर करने का प्रयास किया गया है। इसके लिए इस वर्ष 21 सितंबर के बाद अब तक रक्त संग्रह इकाईयों की संख्या 6 से बढ़कर 64 की गयी है। इस बढोत्तरी का फायदा अधिकांश प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और अनुमंडल अस्पतालों में राज्य के लोगों को मिलना भी शुरू हो गया है। वहीं, आनवाले दिनों में अन्य जगहों पर भी रक्त संग्रह इकाईयों के स्थापन की प्रक्रिया जारी है । इन इकाईयों से मरीजों को संकट के समय रक्त उपलब्ध कराए जा रहे हैं। साथ ही जरुरत के हिसाब से जिला अस्पतालों में भी इन इकाईयों से रक्त आपूर्ति की व्यवस्था की गई है। श्री पांडेय ने कहा कि राज्य के सभी रक्त केंद्रों पर थैलेसिमिया, हेमोफिलिया, सिकिलएनिमिया, ब्लड कैंसर और एचआईवी के मरीजों को उनके जरुरत के हिसाब से निः शुल्क रक्त भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके अलावा राज्य के 48 स्थानों में ब्लड कंपोनेंट सेपरेशन मशीन लगाए गए हैं, जहां से मरीजों को विभिन्न प्रकार के रक्त उत्पाद की आपूर्ति की जा रही है। महामारी या आपदा के समय इस रक्त केंद्रों की भूमिका अति महत्वपूर्ण हो जाती है। सूबे में रक्त संग्रहण, परीक्षण और भंडारण में आनेवाली चुनौतियों के दूर करने और इस प्रक्रिया को सुगम बनाने हेतु अत्याधुनिक उपकरण लगाए गए हैं, जहाँ तकनीकी रुप से पूर्ण प्रशिक्षित कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। श्री पांडेय ने कहा कि रक्त की प्रचुर मात्रा और समय पर उपलब्धता के लिए राज्य के विभिन्न जिलों में समय-समय पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा जागरुकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में लगाये जाने वाले ब्लड डोनेशन कैम्प से रक्त संग्रहित कर उन्हें रक्त केंद्रों तक पहुंचाने के लिए 7 ब्लड ट्रांसफ्यूजन वैन भी कार्य कर रहे है।

सुरक्षित रक्त दान की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए पटना के आइजीआइएमएस, गया स्थित एएनएमसीएच सहित 5 स्थानों पर मोबाइल ऐच्छिक रक्त दान बस भी कार्य कर रहे हैं। राज्य के सभी सरकारी रक्त केंद्रों पर जरुरतमंदों को रक्त उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को भी काफी सरल बनाया गया है ताकि जरुरतमंदों को आवश्यकता होने पर तत्काल रक्त उपलब्ध कराया जा सके।

प्रदीप पांडेय चिंटू के जन्मदिन के मौके पर पूरी फिल्म "इश्क" देखे सिर्फ एंटरटेन रंगीला पे

पटना। युवा स्टार प्रदीप पांडेय चिंटू के जन्मदिन के शुभ औसर पर साईदीप फिल्म्स प्रजेंट के बैनर तले बनी निर्देशक राजकुमार आर पांडेय की भोजपुरी फिल्म फि ल्म "इश्क" पूरी फिल्म देखे सिर्फ एंटरटेन रंगीला यू टूब चैनल पर। प्रदीप पांडेय चिंटू के साथ काजला राघवानी का जबरदस्त गाने एक से बढ़कर एक गाने आप लोगो को मनोरंजन करने के लिए तैयार है। 9 दिसंबर 2024 प्रदीप पांडेय चिंटू के जन्मदिन के अवसर पर यह फिल्म एंटरटेन रंगीला यू टूब चैनल पर रिलीज की जाएगी। निर्देशक राजकुमार आर पांडेय की ब्लॉक बॉस्टर भोजपुरी फिल्म "इश्क" रोमांस के साथ साथ पूरी तरफ एक्शन से भरपूर फिल्म सभी को पसंद आएगी। फिल्म में एक से बढ़कर एक गाने है जिस को खुद राजकुमार आर पांडेय ने तैयार किया है। भोजपुरी फिल्म

इश्क के स्टार कास्टः प्रदीप पांडेय चिंटू, काजल राघवानी, शुभी शर्मा, विक्रांत सिंह राजपूत और राज प्रेमी है। निर्देशक, निमार्ता और लेखकः राजकुमार आर पांडेय,सह-निमार्ताः कृष्णा आर पांडेय, अंतरा पांडेय, आरना आर पांडेय,गीतकारः राजकुमार आर पांडेय, सुमित सिंह चंद्रवंशी,संगीतः राजकुमार आर पांडेय,छायांकन : महेश वैंकेट, संकलन : गुरजंट सिंह,एक्शन : प्रदीप खड़का,नृत्यः पप्पू खनना और कानू मुखर्जी,कलाः नजीर शेख आदि है।

नीतीश सरकार ने शिक्षा, रोजगार, महिला सशक्तिकरण और बुनियादी ढांचे के विकास के क्षेत्रों में प्रभावशाली कार्य किए : अशोक चौधरी

पटना , (संवाददाता)। ग्रामीण कार्य विभाग के मंत्री डॉ अशोक चौधरी ने बयान जारी करते हुए कहा कि नीतीश कुमार सरकार ने बिहार में अल्पसंख्यकों के सशक्तिकरण और राज्य की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के लिए कई दूरगामी और प्रभावशाली कदम उठाए हैं। इन प्रयासों ने न केवल अल्पसंख्यक समुदायों को मुख्यधारा से जोड़ने में मदद की है, बल्कि राज्य के सर्वांगीण विकास और सामाजिक समरसता को भी मजबूत किया है। नीतीश सरकार ने शिक्षा, रोजगार, महिला सशक्तिकरण और बुनियादी ढांचे के विकास के क्षेत्रों में प्रभावशाली कार्य किए हैं। शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक छात्र प्रोत्साहन योजना के तहत मैट्रिक पास करने वाले 2 लाख छात्रों को ?10,000 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इसके अलावा, स्नातक और परास्नातक स्तर के 1.5 लाख छात्रों को छात्रवृत्ति दी गई। अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में 500 से अधिक स्कूलों का उन्नयन किया गया है।श्री चौधरी ने कहा कि रोजगार और कौशल विकास के लिए सरकार ने 30 नए आईटीआई केंद्र स्थापित किए, जिससे 50,000 से अधिक युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण मिला। मुख्यमंत्री युवा रोजगार योजना के तहत 2023-24 में ?200 करोड़ के ब्याज मुक्त ऋण वितरित किए गए। महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए अल्पसंख्यक महिला सशक्तिकरण योजना के माध्यम से 50,000 महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण और आर्थिक सहायता दी गई। साथ ही, स्वयं सहायता समूहों के जरिए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला।मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि बुनियादी ढांचे के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया गया। 1,000 अल्पसंख्यक बहुल गांवों में सड़क, बिजली और पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। वक्फ संपत्तियों के डिजिटलीकरण के लिए विशेष अभियान चलाया गया, जिसके तहत 90% से अधिक संपत्तियां

ऑनलाइन की गईं। बिहार की गंगा-जमुनी तहजीब को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए सरकार ने सूफी सर्किट की परिकल्पना की। इस पहल के तहत राज्य के प्रमुख सूफी स्थलों का विकास किया गया। मनेर शरीफ, फुलवारी शरीफ और बिहिया जैसे ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों को जोड़ते हुए इनका सौंदर्यीकरण और आधारभूत संरचना का विकास किया गया। सूफी सर्किट परियोजना के तहत 150 करोड़ का निवेश किया गया।

यह पहल न केवल राज्य के सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देती है, बल्कि सामाजिक एकता और सांप्रदायिक सौहार्द का भी प्रतीक है।श्री चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार ने हमेशा समावेशी विकास पर जोर दिया है। उनका मानना है कि राज्य का समग्र विकास तभी संभव है जब समाज के हर वर्ग को समान अवसर मिले। उनके नेतृत्व में अल्पसंख्यक समुदाय की साक्षरता दर 2005 के 51% से बढ़कर 2023 में 63% हो गई। पर्यटन स्थलों पर आगंतुकों की संख्या में 40% की वृद्धि हुई है, और रोजगार तथा आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में अल्पसंख्यकों की भागीदारी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। नीतीश कुमार सरकार की नीतियां केवल अल्पसंख्यकों के कल्याण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरे बिहार के सर्वांगीण विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही हैं। सूफी सर्किट जैसे सांस्कृतिक संरक्षण के कदम और अल्पसंख्यक कल्याण की योजनाएं बिहार को एक प्रगतिशील, समावेशी और समृद्ध राज्य बनाने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

बांका जिला में जल्दी खुलेगा मेडिकल कॉलेज बिहार सरकार मंत्री जयंत राज

बांका (संवाददाता)। बांका जिले के आर एम के मैदान में जनता दल यु के जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया । जिला अध्यक्ष के अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जिसमें प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कई उपलब्धियां गिनाई। बिहार सरकार सभी वर्गों का कल्याण किया है । केंद्र एवं बिहार सरकार मिलकर विकास कर रही एक बार फिर से 2025 में एनडीए गठबंधन की सरकार बनेगी।

इस कार्यक्रम में बिहार सरकार मंत्री भवन निर्माण जयंत राज, बिहार सरकार मंत्री मघ निषेध एवं निबंधन मंत्री रत्नेश सदा , पूर्व सांसद सीवान कविता सिंह ,पूर्व मंत्री रंजू गीता ,बांका सांसद गिरधारी यादव ,बेलहर विधायक मनोज यादव, पूर्व विधायक धोरैया,मनीष कुमार ,जिला अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार ,जिले के किसान प्रकोष्ठ ओंकार यादव , समाजसेवी प्रशांत कुमार,आशा देबी,विमल सिंह, एवं जिले के सभी कार्यकर्ता एक मंच पर एक साथ नजर आए । 2025 के चुनाव का जोड़ घटाव शुरू कर दिया। सबसे पहले प्रदेश अध्यक्ष, बिहार सरकार मंत्री एवं कई जदयु कार्यकर्ता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । उमेश कुशवाहा एवं मंत्री जयंत राज, मध निषेध मंत्री रत्नेश सदा ,पूर्व सांसद कविता सिंह एवं पूर्व मंत्री रंजू गीता का अभिनंदन किया और एक बार अपने कार्यकताओं को जोरदार नारे के साथ 25 से 30 फिर नीतीश सरकार का नारा लगाया। वहीं पूर्व सांसद कविता सिंह ने बताया कि बिहार सरकार के मंत्री नीतीश कुमार ने महिला सशक्तिकरण का कार्य किया। जो सबसे सराहनीय है।उन्होंने पंचायती राज का गठन कर महिलाओं को 50% आरक्षण देकर महिलाओं को जिला परिषद एवं पंचायत चुनाव में लड़ने के लिए आगे किया ।वहीं सरकारी नौकरी में 35% का आरक्षण दिया। इंटर पास बच्चियों को 25000 रुपए प्रोत्साहन राशि दिया गया ।साथ ही बच्चों को मुक्त टीकाकरण करने का कार्य किया। यूपीएससी एवं वीपीएससी में महिलाओं को प्रारंभिक परीक्षा पास करने पर ?50,000 प्रोत्साहन राशि देने का कार्य किया। महिला उद्यमी को 10 लाख का लोन दिया गया जिसमें ?5लाख का अनुदान दिया गया एवं 5 लाख का ब्याज मुक्त दिया गया। महिला चिकित्सा महाविद्यालय खोला गया। जिससे महिलाओं के धीरे-धीरे अपने जीवन स्तर में बदलाव लाया गया ।वहीं पूर्व मंत्री रंजू गीता ने कहा कि पार्टी मेरी मां होती है मां की सेवा बेटे के लिए और बेटी के लिए सबसे ज्यादा होती। है पूर्व धौरेया विधायक मनीष कुमार चौधरी ने बताया कि बांका के लोग नीतीश कुमार के कार्य से ही कारण चमकती सड़क नजर आते हैं और घर की बत्ती जल रहे हैं। मतदान पेटी पर कब्जा नौजवानों के हाथ में है इसीलिए नौजवानों को आगे बढ़ने का मौका दिया। वहीं बेलहर विधायक मनोज यादव ने कहा कि विकास का दूसरा नाम है नीतीश कुमार हमारे बिहार सरकार मंत्री जयंत राज जब ग्रामीण विभाग में थे तो उन्होंने 125 सड़क बेलहर को दिया ।वहीं जब लघु सिंचाई में थे उन्होंने 200 किलोमीटर सिंचाई का कार्य बेलहर में किया ।जिससे विकास की गंगा लगातार बहती रही। वहीं बांका के सांसद गिरधारी यादव ने कहा नीतीश कुमार न्याय के साथ-साथ विकास का काम कर रही है । वह किसी समुदाय का नहीं हो हर पंचायत में प्लस टू विद्यालय दिया।

जिससे बच्चे शिक्षित हो सके ।शिक्षा के जगत में काफी सराहनीय कार्य किया। वहीं भवन निर्माण मंत्री जयंत राज ने कहा कि नीतीश सरकार ने जो लक्ष्य था 10 लाख लोगों को रोजगार एवं 10 लाख लोगों को नौकरी देने का काम करीब करीब पूरा होने जा रही है अब इसे बढ़ाकर बाढ़ 12 लाख कर दी गई है। वही आकांक्षी जिला में ग्रामीण एवं लघु संसाधन विभाग से काफी कार्य हुए कोई ऐसा प्रखंड नहीं है जहां 20 से 25 तालाब की खुदाई नहीं किया गया। वही बोल बम जाने वाले मार्ग पर सभी जर्जर धर्मशाला को दुरुस्त किया गया। जिससे सभी कांवरिया बंधुओ को सुविधा मिल सके ।पिछड़ा होने के हर साल में विकास का कार्य किया जा रहा है।

बांका में मेडिकल कॉलेज भी बनने वाली है जल्दी इसका शिलान्यास किया जाएगा ।प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बांका में 5 सीट पर एनडीए की जीत होगी और यह में दावे के साथ कह सकता हूं।बांका देवताओं के साथ समुद्र मंथन हुई थी। जिसमें अमृत देवताओं ने पी लिया था। स्वतंत्रता आंदोलन में के समय भी बांका के लोग सपूतों ने काफी बढ़कर हिस्सा ली थी। बांका वीर सपूतों के भूमि है आजादी के बाद यहां चुनाव में शानदार एनडीए की जीत हुई है इसके लिए यह बधाई के पात्र है ।वही उप चुनाव मे 34 वर्ष से वे लोग सीट पर अपना राज कर रहे थे उपचुनाव में एनडीए सीट जीतकर उसे मुक्ति दिलाने का काम किया ।

हमारे नेता के बारे में कह रहे थे कि हमारी पार्टी समाप्त हो गई है लेकिन आज भी जदयू में नेता समाप्त नहीं हुए । नीतीश जी के अभी तक कोई विकल्प नहीं है जनता ने स्पष्ट संदेश दिया 2025 में फिर से नीतीश सरकार होगी उमेश कुशवाहा पार्टी के सामाजिक कार्यकर्ता हमारी पार्टी है वही हमारी पूंजी है आधुनिक विज्ञान के विश्वकर्मा है।

चंद्रमणी प्रसाद सिंह मेमोरियल अंडर-14 क्रिकेट टूनार्मेंट का शानदार आगाज

पटना। बिहार क्रिकेट अकादमी, लॉ मार्टिनियर वर्ल्ड स्कूल, संपतचक में सोमवार यानी 9 दिसंबर को चंद्रमणी प्रसाद सिंह मेमोरियल अंडर-14 क्रिकेट टूनार्मेंट का शानदार आगाज हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन लॉ मार्टिनियर वर्ल्ड स्कूल के प्राचार्य शिव प्रकाश, पटना जिला क्रिकेट संघ के सचिव राजेश सिंह, पटना जिला क्रिकेट लीग आयोजन समिति के चेयरमैन धनंजय सिंह, पूर्व रणजी ट्रॉफी प्लेयर कुमार मृदुल, रणजी प्लेयर रिषभ राज और सुदय कुमार ने गुब्बारा उड़ा और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। सबों का स्वागत टूनार्मेंट के तकनीकी हेड रुपक कुमार ने किया जबकि धन्यवाद व्यक्त एकेडमी के कोच आशुतोष कुमार ज्योति ने किया। उद्घाटन मुकाबले में एससीए इलेवन ने एसकेवाई प्लेइंग इलेवन को 6 विकेट से हराया। इस मैच में टॉस एससीए इलेवन ने जीता और पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया। एसकेवाई प्लेइंग इलेवन ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 152 रन बनाये। जवाब में एससीए इलेवन की टीम 14.5 ओवर में 4 विकेट पर 157 रन बना कर मैच अपने नाम कर लिया। विजेता टीम के मणि कुमार को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार पूर्व रणजी प्लेयर कुमार मृदुल ने प्रदान किया। संक्षिप्त स्कोरएसकेवाई प्लेइंग इलेवन : 20 ओवर में 6 विकेट पर 152 रन, शिवम 17, आदित्य राज 20, श्लोक कृष्णा राजहंस 19, आयुष राज 23, शुभम राज नाबाद 6, अतिरिक्त 67, कृष 2/18, सन्नी कुमार 2/19, किशू कृष 2/12 एससीए इलेवन : 14.5 ओवर में चार विकेट पर 157 रन, मणि कुमार 47, चिराग नाबाद 29, विवेक नाबाद 44, अनन्त 2/31, श्लोक कृष्णा राजहंस 2/27।

बिहार बेसबॉल टीम के गठन के लिए सेलेक्शन ट्रायल 14 दिसंबर से

पटना। पंजाब के संगरुर में आगामी 26 से 30 दिसंबर 2024 तक आयोजित होने वाली 37वीं सीनियर नेशनल महिला व पुरुष बेसबॉल चैंपियनशिप में भाग लेने वाली बिहार टीम के गठन के लिए सेलेक्शन ट्रायल आगामी 14 व 15 दिसंबर को सोनपुर (सारण) के रमना मैदान पर किया जायेगा। यह जानकारी बेसबॉल एसोसिएशन ऑफ बिहार के अध्यक्ष दिलजीत खन्ना ने दी। संघ के महासचिव मधु शर्मा ने बताया कि इस सेलेक्शन ट्रायल के बाद प्रशिक्षण शिविर का आयोजन होगा। प्रशिक्षण शिविर के बाद फाइनल टीम की घोषणा की जायेगी। सेलेक्शन ट्रायल के चयनकर्ता विपिन कुमार, विजय कुमार और आदित्य कुमार होंगे जबकि कैंप अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रुपक कुमार व पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी राजेश कुमार चिंटू की देखरेख में आयोजित होगी। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों को अपने साथ आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, दो फोटो और अपने जिला के लेटर हेड पर अनुमोदित पत्र को लेकर आना होगा। चयन के संयोजक उदय कुमार होंगे।

कूच बिहार ट्रॉफी : बिहार बनाम महाराष्ट्र बनाम मैच ड्रॉ

पटना, 9 दिसंबर। कूच बिहार ट्रॉफी अंडर-19 मेंस मल्टीडेज क्रिकेट टूनार्मेंट में महाराष्ट्र बनाम बिहार मुकाबला ड्रॉ हो गया। पहली पारी की बढ़त के आधार पर महाराष्ट्र को 3 अंक जबकि बिहार के खाते में 1 अंक मिला।ग्रुप ई में खेल रही बिहार टीम अंक तालिका में 11 अंक के साथ चौथे नंबर पर रहा। इस ग्रुप में महाराष्ट्र 24 अंक के साथ पहले जबकि राजस्थान 21 अंक के साथ दूसरे नंबर पर रहा। झारखंड की टीम 16 अंक के साथ तीसरे नंबर पर रही।इस मैच में बिहार ने अपनी पहली पारी में 240 रन जबकि दूसरी पारी में 50 ओवर में 3 विकेट पर 161 रन बना कर घोषित किया। महाराष्ट्र ने अपनी पहली पार में 355 रन बनाये। महाराष्ट्र खेल के तीसरे दिन के अपनी पहली पारी में 4 विकेट पर 222 रन से आगे खेलने के लिए चौथे व अंतिम उतरा और 107.5 ओवर में 355 रन पर पारी सिमट गई। महाराष्ट्र की ओर से पहली पारी में नीरज जोशी ने 113, निखिल लुनावत ने 63, ओम भाबड़ ने 54, वैभव अगम ने 54 रन की पारी खेली। बिहार की ओर से सुमन कुमार ने 97 रन देकर 4, आयुष कुमार सिंह ने 32 रन देकर 1, मोहम्मद आलम ने 36 रन देकर 1, बादल कुमार 58 रन देकर 2, आदित्य राज ने 41 रन देकर 1 विकेट चटकाये। बिहार की दूसरी पारी में पृथ्वी राज और सत्यम कुमार ने अर्धशतकीय पारी खेली और खेल खत्म होने के समय 50 ओवर में बिहार ने 3 विकेट पर 161 रन बना कर पारी घोषित की और इसके आगे खेल नहीं हुआ। पृथ्वी राज ने 104 गेंद में 12 चौका व 1 छक्का की मदद से 74, सत्यम कुमार ने 134 गेंद में 10 चौका की मदद से नाबाद 51 जबकि दीपेश गुप्ता ने नाबाद 8 रन बनाये। मोहम्मद आलम ने 5 जबकि के तौफिक ने 18 रन बनाये।

करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंटसेल, कॉमर्स संकाय एवं स्किल डेवलपमेंट एंड एंटरप्रेन्योर विप की कार्यशाला का आयोजन

पटना। 7 सेल के संयुक्त तत्वाधान में ICA edu skill pvt. ltd. के द्वारा गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स विषय पर एक एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया साथ हीं रक्त अधिकोष विभाग, एन.एम. सी.एच के द्वारा एक रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य डॉ जगन्नाथ प्रसाद गुप्ता ने दोनों हीं कार्यक्रमों की अध्यक्षता की और सभी आयोजकों को कार्यक्रम के सफल आयोजन की शुभकामनाएं दी। उन्होंने एक ओर छात्र-छात्राओं को GST जैसे आर्थिक विषयों पर जानकारी हासिल करने की सलाह दी तो दूसरी ओर वो देश और देशवासियों के प्रति अपनी जिम्मेवारी को रक्तदान द्वारा वो कैसे निभा पाएंगे इसकी भी जानकारी दी और बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। GST से संबंधित कार्यशाला के समन्वयक डॉ अरुण कुमार शर्मा, विभागाध्यक्ष, कॉमर्स संकाय, डॉ सरिता कुमारी, समन्वयक, करियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल एवं श्रीमती स्मिता वैदेही, समन्वयक, स्किल डेवलपमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेल रहीं एवं रक्तदान शिविर के समन्वयक डॉ आशीष कुमार, ए.एन.ओ, एन. सी.सी रहें।आई.सी.ए प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अंजनी कुमार ने छात्रझ छात्राओं को GST क्यों महत्वपूर्ण है, आम देशवासियों के लिए कैसे उपयोगी होगी, वस्तु और सेवाओं पर GST कैसे लगता है आदि पर चर्चा की। शिक्षकों में डॉ प्रधान दुर्गा शंकर प्रसाद, डॉ शेखर जयसवाल, डॉ अमर कुमार ने भी अपने विचार साझा किए। डॉ बी के राय, डॉ रवि रंजन प्रसाद, सुबोध चौधरी, डॉ अविनाश रंजन, डॉ प्रशांत कुमार, विकास कुमार, रजनी सिंह आदि शिक्षकों की उपस्थिति प्रेरणादायक रही।

सजग और सतर्क रहें अफवाहों से दूर रहें: आपदा प्रबंधन विभाग

जमुई नवशक्ति, (प्रभाकर कुमार)। अपर मुख्य सचिव आपदा प्रबंधन विभाग बिहार पटना प्रत्यय अमृत के निदेशानुसार जिला आपदा पदाधिकारी जमुई ने बताया कि प्रदेश के तापमान में लगातार गिरावट जारी है। देर रात तापमान काफी गिर जा रहा है, जिसका प्रभाव सुबह तक रह रहा है। ऐसे में सुबह में मौसम के प्रति लापरवाही लोगों के लिए घातक साबित हो सकती है। बिहार में जल्द ही ठंड बढ़ने वाली है। पहाड़ों पर बर्फबारी शुरू हो गई है, जिसका असर मैदानी इलाकों में दिखेगा। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी के दिनों में तापमान में गिरावट आ सकती है। बिहार मौसम सेवा केंद्र (इटरड) के अनुसार दक्षिण बिहार में बादल छाए रहेंगे, लेकिन बारिश की संभावना नहीं है। चक्रवाती तूफान फेंगल के कारण दक्षिण बिहार के कुछ जिलों में बादल दिखाई दे सकते हैं।

घना कोहरा छाए रहने और शीतलहर चलने की संभावना है दिन के तापमान में भी गिरावट रहेगी। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि चक्रवाती तूफान फेंगल उत्तर तमिलनाडु और पुडुचेरी के तट से टकराया है। इस तूफान की वजह से एक पश्चिमी विक्षोभ बना है, जिसका असर दक्षिण बिहार पर पड़ेगा, जिससे दक्षिण बिहार के कुछ जिलों, खासकर झारखंड से सटे जिलों जैसे बांका, जमुई, गया, नवादा और औरंगाबाद में बादल दिखाई दे सकते हैं। मंगलवार को बिहार में घना कोहरा छाया रह सकता है। साथ ही, शीतलहर चलने की भी संभावना है।आने वाले दिनों में शीत लहर को देखते हुए जिला प्रशासन जमुई द्वारा एहतियातन तौर पर आम जन - जीवन के बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की गई हैं शीतलहर और ठंड से बचाव हेतु सलाह क्या करे क्या न करें शीतलहर के दौरान अनावश्यक घर से बाहर न जाएं यथासंभव घर में ही सुरक्षित रहे !यदि घर से बाहर जाना आवश्यक हो तो समुचित गर्म कपड़े पहन कर ही निकले !

अपने सर चेहरे हाथ पैर को उपयुक्त गर्म कपड़ों से जरूर ढके !शरीर में गर्मी बनाए रखने के लिए पौष्टिक आहार एवं गर्म पेय पदार्थ का सेवन करें !ठंड लगने पर निम्न लक्षण उत्पन्न होते हैं। शरीर का ठंडा होना एवं अंगों का सुन्न पड़ जाना अत्यधिक कंपकपी या ठिठुरन !बार-बार जी मिचलाना या उल्टी होना ।अर्द्ध बेहोशी की स्थिति अथवा बेहोश होना ! सामान्यतः यदि तापमान 7 डिग्री से अथवा इससे कम हो जाए तो इस शीतलहर की स्थिति माना जाता है इसका मानव और पशुओं के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है !जिला में आपात की स्तिथि में जिला आपदा शाखा समाहरणालय जमुई अवस्थित DEOC Jamui के मोबाइल नंबर 9771109565 को आपातकालीन नंबर के रूप में कार्यरत मोबाइल नंबर पर किसी भी आपात स्तिथि का निश्चित रूप से सूचना देंगे ।सजग रहे,सतर्क रहें,अफवाहों पर ध्यान नही दे।

तिलाधक विश्वविद्यालय संरक्षण व पुनः निर्माण हेतु हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत

संजय कुमार

बिहारशरीफ(नवशक्ति)। तिलाधक विश्वविद्यालय संरक्षण एवं पुनर्निर्माण समिति की बैठक रविवार को तिलाधक महाविहार परिसर में आयोजित की गई। बैठक की कार्यकारी समिति के अध्यक्षता कार्यकारी अध्यक्ष डॉक्टर मनीष कुमार भारद्वाज ने की परिचय अध्यक्ष व प्रस्ताव पर चर्चा अध्यक्ष अवधेश गुप्ता ने किया, जबकि संचालन सचिव डॉक्टर अनीश कुमार ने किया। बैठक में विश्वविद्यालय को पुनः स्थापित करने और उसके संरक्षण के लिए जनसहभागिता बढ़ाने हेतु हस्ताक्षर अभियान चलाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत और लक्ष्य

हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत 8 दिसंबर 2024 को तिलाधक महाविहार परिसर से की गई। समिति ने इस अभियान के तहत 1 लाख लोगों के हस्ताक्षर एकत्र करने का लक्ष्य तय किया है, जिसे अगले एक माह में पूरा करने के लिए मिशन मोड में कार्य किया जाएगा।

अभियान का नेतृत्व सचिव डॉक्टर अनीश कुमार ने बताया कि इस सप्ताह अभियान विभिन्न स्थानों पर चलाया जाएगा। हिलसा में मुकेश मानश, एकंगर सराय व इस्लामपुर में डॉक्टर अनीश कुमार, बिहारशरीफ में डॉक्टर मनीष कुमार भारद्वाज और तेलहड़ा में अध्यक्ष डॉक्टर अवधेश गुप्ता के नेतृत्व में हस्ताक्षर अभियान संचालित होगा। सम्पूर्ण हस्ताक्षर के साथ एक प्रतिनिधि माननीय मुख्यमंत्री , बिहार सरकार और शिक्षा मंत्री भारत सरकार से मिलकर भारत का प्रथम विश्व विद्यालय को पुनः स्थापित करने हेतु आग्रह करेगी ताकि इस विश्व विद्यालय के निर्माण हेतु विधेयक पास किया जा सके। समारोह में सहभागिता अभियान की शुरूआत में डॉक्टर मनीष कुमार भारद्वाज, अवधेश गुप्ता, डॉक्टर अनीश कुमार, मुकेश मानश, दीपिका मिश्रा, और तेलहड़ा के कई स्थानीय लोग उपस्थित रहे। अभियान को सफल बनाने के लिए समिति के सभी सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

हाई कोर्ट के आदेश पर निगम कमिश्नर को लिखा पत्र

पटना सिटी (बृजेश गोस्वामी)। उच्च न्यायालय के निर्देश पर पटना जिला सुधार समिति के महासचिव राकेश कपूर ने पटना नगर निगम के कमिश्नर को पत्र लिखकर अतिक्रमण की रूप रेखा दी है। राकेश कपूर ने चौक शिकारपुर नाला पर क्षेत्र के तरकारी बाजार में सड़क को घेरकर सब्जी बेचने से लोगो की परेशानी को लेकर एक जनहित याचिका C.W.J.C.No 17411/2024 दाखिल कर न्यायलय से गुहार लगाई थी। जिस पर न्यायलय ने 20-11-2024 को संज्ञान लेते हुये निगम को अतिक्रमण से अवगत कराने का निर्देश दिया। साथ साथ निगम के अधिवक्ता प्रसुन्न सिन्हा को ठोस कदम उठाने को कहा है।श्री कपूर ने बताया कि आज चौक शिकारपुर क्षेत्र में अतिक्रमण कर फल व सब्जी बेचते है और बीस बीस फीट का गोदाम बनाकर सड़क अवरूद्ध कर रखा है नतीजतन रोजाना दुर्घटना होती रहती है। इसी गुरूगोविंद सिंह पथ पर 13 से 15 बर्ष के लड़के तीव्र गति से ई रिक्शा चलाते हैं जिस कारण वृद्ध, महिलाओं व बच्चों को सड़क पार करना दुभर है पुलिस निष्क्रिय रहती है ।जिस कारण थकहार कर न्यायलय के शरण मे जाना पड़ा।

जन सुराज पार्टी के अध्यक्ष मनोज भारती ने की 125 सदस्यों की राज्य कोर समिति की घोषणा

पटना। जन सुराज पार्टी के अध्यक्ष मनोज भारती ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जन सुराज पार्टी की 125 सदस्यीय राज्य कोर कमेटी के गठन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जन सुराज पार्टी से जुड़े सभी संस्थापक सदस्यों और कार्यकताओं से विचार-विमर्श के बाद इस कोर कमेटी का गठन किया गया है। मनोज भारती ने पत्रकारों को बताया कि राज्य कोर समिति में सभी वर्गों का उचित प्रतिनिधित्व है और इसके साथ ही बिहार के सभी जिलों का भी इसमें प्रतिनिधित्व है। उन्होंने कोर कमेटी के सदस्यों की जिम्मेदारियों को समझाते हुए कहा कि हर जिले में जन सुराज पार्टी के संगठन को मजबूत करने में सदस्य अहम भूमिका निभाएंगे और जन सुराज के विजन को बिहार के कोने-कोने तक पहुंचाने में मदद करेंगे।

पलायन के दर्द को देख भावुक हुए दर्शक, सरपंच मां की ममता के आगे बेबस हो गया

पटना। राजधानी दिल्ली के श्रीराम सेंटर ऑडिटोरियम में पांच दिवसीय प्रवीण स्मृति नाट्य महोत्सव के चौथे दिन प्रवीण सांस्कृतिक मंच की ओर से वरिष्ट रंगकर्मी विज्येंद्र टॉक के निर्देशन में भिखारी ठाकुर रचित भोजपुरी नाटक ह्यगबरघिचोरह्ल का मंचन देख दर्शक भाव विभोर हो गए। यह एक संगीतमय प्रस्तुति थी जिसमें लोकगीत व लोकनृत्यों की रोचकता देखते बनी। संगीत पक्ष नाट्य प्रस्तुति को शानदार बना रहा था। मंच पर पात्र बिल्कुल गवई अंदाज में संवाद अदायगी करते नजर आए। आमतौर पर भिखारी ठाकुर के नाटक लोकगीत व नृत्यों के माध्यम से कहानी कहने के लिए जाना जाता है। उसी नाट्यशैली की परंपरा को विज्येंद्र टॉक के निर्देशन में मंच पर साकार किया गया। नाटक एक औरत के संघर्ष, सम्मान, अधिकार और ममता की लड़ाई पर आधारित थी। नाटक की कहानी एक औरत और उसके बेटे गबरघिचोर के इर्द-गिर्द घूमती है। औरत का पति शादी के तुरंत बाद उसे छोड़कर पैसे कमाने के लिए शहर चला जाता है। 15 साल बाद उसे पता चलता है कि उसका एक बेटा (गबरघिचोर) है। कहानी में मोड़ तब आता है जब गांव का ही एक आदमी गबरघिचोर पर अपना अधिकार जताता है। पति-पत्नि और तीसरे शख्स में बेटे को लेकर लड़ाई होती है। गांव में सरपंच फैसला सुनाते हैं कि गबरघिचोर को तीन टुकड़ो में काटा जाए और उसे तीनों में बांट दिया जाए। उसके बाद उसकी मां कहती है कि गबरघिचोर को किसी को भी दे दें, लेकिन उसे काटा ना जाए। आखिर में सरपंच मां की ममता के आगे बेबस हो जाता है और गबरघिचोर को मां को सौंपने का फैसला सुनाता है। नाटक में सभी कलाकारों का अभिनय सराहनीय रहा। इस नाटक का निर्देशन वरिष्ठ एवं चर्चित रंगकर्मी विज्येंद्र टॉक ने किया था।

एयरटेल ने जारी की स्पैम रिपोर्ट, स्पैम सॉल्यूशन के लॉन्च के बाद दिखे नेटवर्क ट्रेंड का किया विश्लेषण

पटना। भारत के पहले स्पैम-फाइटिंग नेटवर्क भारती एयरटेल ने अपने एआई-संचालित स्पैम-फाइटिंग सॉल्यूशन को लॉन्च करने के ढाई महीने के भीतर ही 8 अरब स्पैम कॉल और 0.8 अरब स्पैम एसएमएस को चिह्नित किया है। इस एडवांस्ड एल्गोरिदम की मदद से, एआई-संचालित नेटवर्क ने हर दिन लगभग एक मिलियन स्पैमर्स की पहचान सफलतापूर्वक की है।

पिछले ढाई महीनों में कंपनी ने लगभग 25.2 करोड़ यूनिक कस्टमर्स को इन स्पैम कॉल्स के बारे में सतर्क किया है और देखा गया है कि ऐसे कॉल्स का जवाब देने वाले ग्राहकों की संख्या में 12 प्रतिशत की कमी आई है। एयरटेल नेटवर्क पर सभी कॉल्स में से 6 प्रतिशत को स्पैम कॉल्स के रूप में पहचाना गया है, जबकि कुल एसएमएस का 2 प्रतिषत भी स्पैम के रूप में चिन्हित किया गया है। दिलचस्प तथ्य यह है कि 35 प्रतिशत स्पैमर्स ने लैंडलाइन टेलीफोन का इस्तेमाल किया है।

दिल्ली के ग्राहकों को सबसे ज्यादा स्पैम कॉल प्राप्त हुए हैं, उसके बाद आंध्र प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ग्राहकों को। सबसे ज्यादा स्पैम कॉल दिल्ली से की गई, उसके बाद मुंबई और कर्नाटक से। एसएमएस के मामले में सबसे ज्यादा एसएमएस गुजरात से भेजे गए, फिर कोलकाता और उत्तर प्रदेश से। सबसे ज्यादा ग्राहक मुंबई, चेन्नई और गुजरात के निशाने पर रहे। रिपोर्ट में सामने आए ट्रेंड के मुताबिक, 76 प्रतिशत स्पैम कॉल पुरुष ग्राहकों को की गई है। उम्र के आधार पर भी स्पैम कॉल की संख्या में अंतर देखा गया है। 36-60 आयु वर्ग के ग्राहकों को 48 प्रतिशत स्पैम कॉल मिली है, जबकि 26-35 आयु वर्ग के ग्राहकों को 26 प्रतिषत कॉल की गई। वरिष्ठ नागरिकों के पास केवल 8 प्रतिशत स्पैम कॉल पहुंची है। कंपनी के विश्लेषण से स्पैम कॉल के समय का भी पता चला है।

नव शक्ति समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री को मौलिक समझकर छापा जाता है। अत: कॉपीराइट संबंधी कोई कार्रवाई संपादक, प्रकाशन एवं मुद्रक पर नहीं की जा सकती है। दावा करने वाले रचनाकार और चित्रकार से संपर्क करें। समस्त विवादों का निपटारा पटना उच्च न्यायालय क्षेत्रान्तर्गत होगा। प्रधान कार्यालय: कृष्णा मार्केट, पहला तल्ला, निकट हड़ताली मोड़ पश्चिमी बोरिंग कैनाल रोड़, पटना-800023 संपादक प्रकाशक - मुद्रक एवं स्वामी: जयप्रकाश चौधरी, कृष्णा मार्केट, पहला तल्ला, निकट हड़ताली मोड़, पश्चिमी बोरिंग कैनाल रोड, पटना द्वारा एसेन कम्प्यूटर, डा.एनी बेसेन्ट रोड, पटना-4 से मुद्रित। सम्पर्क नम्बर: 9473032029, 9939472461 ईमेल- navshakti2010@gmail.com RNI- BIHHIN/2012/43368

मनाया गया शहीद टेश लाल वर्मा का 34वाँ शहादत दिवस

पटना सिटी। पटना नगर निगम कर्मीयों के कद्दावर नेता एवम् कामगार युनीयन के संस्थापक कॉम टेश लाल वर्मा का 34 वाँ शहादत दिवस पटना नगर निगम के अजिमाबाद अंचल प्रांगण में मनाया गया। सर्व प्रथम नगर निगम के अजिमाबाद अंचल कार्यालय में स्थापित शहीद टेशलाल वर्मा के प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पान्जली से कार्यकर्म की शुरूआत की गयी।तत्पश्चात उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर एक सभा का आयोजन किया गया।सभा की अध्यक्षता करते हुए ट्रेड यूनियन नेता एवम् कामगार यूनियन के सम्मानित अध्यक्ष कॉम आर एन ठाकुर ने कहा की शहीद टेश लाल वर्मा की हत्या के कुछ मिनट पहले हम मजदूरो की एक बैठक में एक ही साथ थे।बैठक के बाद हम दोनो एक ही साथ निकले, आर ब्लॉक से हम अलग हो गये।यारपुर के पास गुमटी के निकट उनकी किसी ने हत्या कर दिया।उनकी लोकप्रियता इतनी थी की उनकी हत्या की खबर आग की तरह पूरे पटना में फैल गयी और नगर निगमकर्मी रोष में आ गये और कर्मियो को उनके शहादत पर बहुत सुविधा मिला।सभा को सम्बोधित करते हुए जनसंघर्ष मोर्चा के संस्थापक अध्यक्ष देवरत्न प्रसाद ने कहा की शहीद टेश लाल वर्मा ने जो शहादत दिया आज उस शहादत के कर्ज चुकाने का समय आ गया है।और पटना नगर निगम के तमाम युनियन आज एकता के साथ अपने बहुत अधिकर को प्राप्त किया है।इसके लिये समन्वय समिति के नेतृत्वकारी बधाई के पात्र हैं।सभा को सम्बोधित करते हुए शिक्षाविद विजय कुमार सिंह ने कहा की शहीदों की शहादत कभी बेकार नहीँ जाती।इसका ज्वलंत उदहारण है आप हर वर्ष उन्हें और उनके शहादत को याद कर कुछ न कुछ संकल्प लेते हैं और उसके लिये निर्णायक आन्दोलन करते हैं।पटना नगर निगम कामगार यूनियन के महासचिव सह पटना नगर निगम कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति के

कार्यकारी अध्यक्ष राममयत्न प्रसाद ने कहा की हमारे प्रेरणा के श्रोत रहे हैं।

और आज निर्भिक होकर कैसे आन्दोलन किया जाता है ये हमने उन्हीं से सीखा हूँ।वार्ड नम्बर 60 के पूर्व पार्षद बलिराम चौधरी ने कहा की मुझे याद है की 1990 में शहीद टेशलाल वर्मा साईकिल से नगर निगम के सभी अंचल में घूम घूम कर कर्मियो को संगठित कर रहे थे।शाम में घर लौटने के क्रम में हत्या कर दी गयी।लेकिन उनकी हत्या ने निगमकमीयो में उबाल आ गया।वार्ड नम्बर 63 के पार्षद फैयाजुर रहमान उर्फ फिरोज खाँ ने कहा की हम टेश लाल वर्मा के शहादत पर संकल्प लेते हैं की जिस विचार को लेकर उन्होनें शहादत दिया है।हम उसी रास्ते आगे बढ़ेंगे ।

सी पी आई के पटना साहिब अंचल सचिव शम्भु शरण प्रसाद ने कर्मियो का आह्वान किया कि आप अपने अधिकार की रक्षा के लिए नेतृत्वकारी साथी का हाथ मजबूत करें।यही वर्मा जी के प्रती सच्ची श्रद्धांजलि होगी।धन्यवाद ज्ञापन करते हुए समन्वय समिति के प्रवक्ता जितेन्द्र कुमार ने कहा की आज हम शहीद टेशलाल वर्मा के शहादत के अवसर पर संकल्प लेते हैं की अन्तिम दम तक हम निगमकमीयो के शोषन की मुक्ति तक संघर्ष करेंगे।सभा का संचालन करते हुए पटना नगर निगम चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी संघ के महासचिव एवम् समन्वय समिति के संयोजक मँगल पासवान ने कहा कि टेश लाल वर्मा सादगी के प्रतीमुर्ति एवम् धनी व्यक्तित्व वाले थे।कर्मियो की समस्या के अलावे उन्हें और कुछ नजर नही आता था।और उसके समाधान के लिये हमेशा तत्पर रहते थे।

सभा को प्रशाखापदाधिकारी उमेश कुमार, कृष्णा नारायण शुक्ला, रामजयपाल यादव, कृष्णा पण्डित, सन्नी कुमार ,मोहन पासवान,राजू कुमार,शिव कुमार,सन्तोष कुमार, रामदेव सिंह आदि ने सम्बोधित किया। जितेन्द्र कुमार प्रवक्ता पटना नगर निगम कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति।

पटना कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी के जन्मदिन पर उनके फोटो को केक खिलाते इंटक के प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश सिंह।

राज्य सरकार की मंशा भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की नहीं : बाबूलाल मरांडी

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल ने आज मीडिया में छपी खबर के हवाले से सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से राज्य सरकार पर निशाना साधा। श्री मरांडी ने कहा झारखंड में शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण विभाग, जिनसे राज्य की नींव मजबूत होनी चाहिए, अब भ्रष्टाचार की बुनियाद पर खड़े होकर भ्रष्टाचार का गढ़ बन गए हैं। कहा सिर्फ 2024 में अब तक 39 अधिकारियों को एसीबी ने रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा है, वहीं ईडी ने 2024 में 39.28 करोड़ रुपये नकद जब्त किए, जो 2022 के आंकड़े से लगभग दोगुना है। यह स्थिति सरकार और प्रशासन की नाकामी को उजागर करती है, बार-बार रिश्वत में पकड़े जाने वाले कर्मचारियों पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं करना दशार्ता है कि भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की सरकार की मंशा ही नहीं है। कहा कि यह कितना शर्मनाक है कि जिन विभागों का कार्य आम जनता को राहत देना है, वे जनता की गाढ़ी कमाई को लूटने में लगे हैं। कहा कि सरकार की लचर नीतियां और कमजोर व्यवस्था ने भ्रष्टाचारियों को खुली छूट दे रखी है,ऐसे में झारखंड का विकास एक सपना बनकर रह गया है।

38 वर्षीय युवक ने फांसी लगा कर आत्महत्या की

निर्मल महाराज/बोकारो। बीएस सिटी थाना क्षेत्र के कैंप दो स्थित आवास में बीते दिन 38 वर्षीय युवक शिव कुमार झा ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर लिया। घटना की जानकारी पत्नी के आवास के अंदर प्रवेश करने पर हुई। हो-हल्ला के बाद परिवार के सभी सदस्य कमरे के अंदर गये। इसके बाद बीएस सिटी थाना को फोन पर सूचना दी गयी। इंस्पेक्टर सुदामा कुमार दास के निर्देश पर पुलिस अधिकारियों का दल घटना स्थल पर पहुंचा। शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस घटना के कारणों को लेकर जांच में जुट गयी है।घटना के संबंध में मृतक के पिता महेशकांत झा ने बताया कि रोजाना की तरह पुत्र शिव घर आया। प्रवेश कर कमरे में चला गया। जब कुछ देर बाद तक बाहर नहीं निकला, तो पुत्र की पत्नी से पूछा गया। जवाब मिला कि सो रहे होंगे। लेकिन जब कमरे के अंदर प्रवेश कर देखा, तो पुत्र फांसी के फंदे के सहारे लटका हुआ था। घटना को देखकर घर में चीख पुकार मच गयी। इसके बाद शव को नीचे उतारा गया। तब तक उसकी जान चली गयी थी। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गयी। पुलिस ने कागजी कार्रवाई के बाद मामला दर्ज कर लिया है। मृतक के दो बच्चे है।

सूबे के मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने क्षेत्र का भ्रमण के क्रम में पुरन के चाय दुकान में कार्यकताओं संग चाय की चुस्की ली

निर्मल महाराज /गोमिया। सूबे के पेयजल एवं स्वच्छता और उत्पाद तथा मद्य निषेध मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने गोमिया क्षेत्र के कई जगहों का भ्रमण किया उनके साथ कार्यकताओं व सुरक्षा कर्मियों का काफिला था. इसी बीच उनका काफिला गोमिया के हजारी मोड़ से गुजरा. वहां पर अपने पूर्व परिचित पूरन की चाय दुकान उन्हें दिखी. उसे देखते ही मंत्री ने अपने चालक को कहा कि वह गाड़ी रोक दे.मनपसंद चाय बनायी पूरन नेमंत्री को अपनी दुकान पर आते देख पूरन की खुशी का ठिकाना नहीं था. उसने तत्काल उन्हें बैठाया और उनकी मनपसंद चाय बना कर सबको पिलायी. मंत्री ने पूरन से उसका हाल-चाल पूछा और काफी देर तक अपने साथियों व समर्थकों के साथ वहां बैठे.मंत्री जी के जाने के बाद पूरन सबको घूम-घूम कर बताता रहा कि कैसे मंत्री बनने के बाद भी योगेंद्र प्रसाद उसे नहीं भूले. उसकी दुकान पर चाय पी और उसका हालचाल लिया. पूरन की खुशी का ठिकाना नहीं था.

तीन दिवसीय उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 2024 का डीडीसी ने की शुरूआत

निर्मल महाराज/बोकारो। जिले भर में रविवार से तीन दिवसीय राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत हुई। उप विकास आयुक्त गिरिजा शंकर प्रसाद, स्टेट प्रोग्राम ऑफिसर वीरेंद्र कुमार सिंह, सिविल सर्जन डॉ. ए बी प्रसाद, अस्पताल अधीक्षक डॉ. अरविंद कुमार ने सदर अस्पताल परिसर में बच्चों को पोलियों खुराक पिलाकर अभियान की शुरूआत की। 3 लाख 53 हजार 551 बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाने का लक्ष्य है।उप विकास आयुक्त ने अपील किया है कि खुराक पिलाने में किसी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं बरतें। ईमानदारी पूर्वक 0-5 वर्ष के बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाएं। पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए पर्याप्त संख्या में बूथ बनाए गए हैं। अभियान के प्रथम दिन बूथों पर 0-5 वर्ष के बच्चों को खुराक पिलाई गई। दूसरे व तीसरे दिन क्रमशः 9 व 10 दिसंबर घर-घर जाकर खुराक पिलाना है। डीडीसी ने कहा कि हर हाल में लक्ष्य की प्राप्ति करनी है।जिला स्तर के पदाधिकारी भी क्षेत्र भ्रमण के दौरान अभियान की निगरानी करेंगे। इस बार पंचायत,प्रखंड एवं जिला स्तर से अभियान के सफल आयोजन को लेकर मॉनिटरिंग की जा रही है। अभियान को सफल बनाने के लिए कुल 2005 बूथ बनाया गया है।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के आईटी सेल के कुंदन आर्यन की हत्या

पटना। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के आईटी सेल के कुंदन आर्यन की रविवार रात मनेर के पास मोटरसाइकिल एवं लैपटॉप लूटने के क्रम में अपराधियों द्वारा गोली मार दी गई थी जिनकी आज चिकित्सा के दौरान पारस हॉस्पिटल में मौत हो गई। डॉक्टर ने उन्हें बचाने का प्रयास किया लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद उपेन्द्र कुशवाहा अस्पताल जाकर परिजनों से मिले, दुख प्रकट किया और अपनी संवेदना प्रकट की, उन्होंने प्रशासन से कहा, इस मामलों को गंभीरता से लेकर जल्द से जल्द कार्रवाई करके अपराधियों को अभिलंब गिरफ्तार करें।

उत्पाद एवं मद्द निषेध विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने अपना पदभार ग्रहण किया

निर्मल महाराज

बोकारो। विधानसभा सत्र में शामिल होने के ठीक पहले नवनियुक्त उत्पाद एवं मद्द निषेध विभाग मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने रांची के न्यू पुलिस लाइन के सामने स्थित विभाग के कार्यालय में अपना पदभार ग्रहण किया , इस अवसर पर विभाग के सचिव मनोज कुमार एवं उत्पाद आयुक्त सह प्रबंध निदेशक जे एस बी सी एल के अमित प्रकाश आदि ने मंत्री श्री प्रसाद का बुके भेंटकर और अपने अपने परिचय के साथ स्वागत किया।

मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने अधिकारियों से आवश्यक जानकारियां प्राप्त की और पदभार ग्रहण करते ही कई जरूरी दिशा निर्देश भी जारी किया है। उन्होंने राजस्व प्राप्त के लक्ष्य और अब तक के कलेक्शन पर चर्चा की और लक्ष्य को हर हाल में पूरा करने का सख्त निर्देश भी दिया है।

आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के प्रति रूस के सहयोग को भारत व रूस के बीच गहरी मित्रता का एक और महत्वपूर्ण उदाहरण बताया : राजनाथ सिंह

दिल्ली। नवीनतम बहुउद्देश्यीय भूमिका वाले रडार से बच निकलने में सक्षम गाइडेड मिसाइल की युद्ध प्रणाली से लैस आईएनएस तुशिल (एफ 70) को 09 दिसंबर, 2024 को रूस में कलिनिनग्राद के यंतर शिपयार्ड में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया।

इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में आईएनएस तुशिल की तैनाती को भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति का गौरवपूर्ण प्रमाण व भारत और रूस के बीच दीर्घकालिक मैत्री में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया, जो साझा मूल्यों, आपसी विश्वास तथा विशेष एवं रणनीतिक विशेषाधिकार प्राप्त साझेदारी से एक साथ बंधे हैं।

श्री राजनाथ सिंह ने भारत के ह्यआत्मनिर्भर भारतह्ल के दृष्टिकोण के प्रति रूस के सहयोग को भारत व रूस के बीच गहरी मित्रता का एक और महत्वपूर्ण उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि आईएनएस तुशिल सहित कई अन्य जहाजों में भारत में निर्मित सामग्री लगातार बढ़ रही है। यह पोत रूसी और भारतीय रक्षा उद्योगों की सहयोगात्मक क्षमता का एक बड़ा प्रमाण है। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह संयुक्त कौशल के माध्यम से तकनीकी उत्कृष्टता की ओर भारत की यात्रा का शानदार उदाहरण है।

रक्षा मंत्री ने भारत और रूस की नौसेनाओं के बीच गहरे संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति श्री व्लादिमीर पुतिन के नेतृत्व में दोनों देशों के बीच समग्र रूप से बढ़ते संबंधों के तहत तकनीकी एवं परिचालन सहयोग लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में शांति व सुरक्षा के लिए भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता दोहराई। श्री सिंह ने कहा कि हमारी नौसेना ने विभिन्न चिंताजनक इलाकों में समुद्री डकैती, हथियार और नशीले पदार्थों के तस्करों तथा गैर-सरकारी तत्वों की साजिशों को नाकाम कर दिया है।

उन्होंने बताया कि ओमान की खाड़ी से लेकर अदन की खाड़ी तक, स्वेज से लेकर मलक्का तक और ऑस्ट्रेलिया से लेकर मेडागास्कर तक भारतीय नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में एक सुरक्षा प्रदाता की महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत अपने मित्र देशों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने में विश्वास रखता है कि क्षेत्र में समुद्री व्यापार सुरक्षित और संरक्षित बना रहे, जिससे समुद्र के पार निर्बाध व्यापार को बढ़ावा मिले। श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय नौसेना प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता के रूप में समुद्र में अपने मित्रों को त्वरित व समय पर मानवीय सहायता और आपदा राहत प्रदान करने के लिए हमेशा तैयार रहती है।रक्षा मंत्री ने भारतीय समुद्री क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा एवं विकास (सागर) के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को साकार करने के उद्देश्य से भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता को दोहराया और इस दृष्टिकोण को भारत की समुद्री नीति की मेरुदंड बताया, जिसका उद्देश्य हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता व आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देना है।

विकसित भारत@2047 पर आधारित परियोजना पर शोध के लिए सीयूएसबी के सहायक प्राध्यापक डॉ. रिकिल चिरमंग को आईसीएसएसआर से 20 लाख रुपये का अनुदान

पटना। दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के आर्थिक अध्ययन एवं नीति विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. रिकिल चिरमंग को विजन विकसित भारत@2047 पर आधारित परियोजना पर शोध के लिए भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली से 20 लाख रुपये का सहयोगात्मक अनुदान मिला है` इस उपबल्धि पर कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, कुलसचिव प्रो. नरेंद्र कुमार राणा के साथ आर्थिक अध्ययन एवं नीति विभाग के अध्यक्ष प्रो. कृष्णन चलिल एवं विभाग के अन्य प्राध्यापकों ने डॉ. रिकिल चिरमंग एवं उनकी टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। जन सम्पर्क पदाधिकारी (पीआरओ) मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने

बताया कि 8 महीने की अवधि वाले इस शोध परियोजना में डॉ. रिकिल चिरमंग के शोधकताओं की टीम में देश भर के अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों से क्रमशः डॉ. विशाखा कुटुम्बले (देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश), डॉ. स्वाति जैन (इलाहाबाद विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश), डॉ. गरिमा मिश्रा (यूजीसी महिला अध्ययन केंद्र, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, राजस्थान) और श्रीमती सुनीला सहस्त्रबुद्धे (अध्यक्ष, ईएसजी, बायोकॉन पर्यावरण विज्ञान, बायोकॉन लिमिटेड बेंगलुरु, कर्नाटक) शामिल हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. कृष्णन चलिल ने बताया की यह सीयूएसबी के के सामाजिक विज्ञान संकाय की ओर से अपनी तरह का पहला सहयोगात्मक परियोजना है। उन्होंने बताया कि डॉ. चिरमंग सहित शोधकताओं की टीम द्वारा आईसीएसएसआर को प्रस्तुत शोध प्रस्ताव का विषय भारत के सशक्त कार्य समूह राज्यों (ईएजी) के आकांक्षी जिलों में जनजातीय घरेलू खाद्य सुरक्षा का लिंग निर्धारण पर अध्ययन करना है। इस परियोजना को विजन विकसित भारत@2047 के लिए विशेष आह्वान के तहत पुरस्कृत किया गया है और विशेषज्ञ समिति ने इसे श्रेणी ए के अंतर्गत अनुमोदित किया है।

ठंड से अगर कोई गरीब गुरबा झारखंडी की मौत हुई तो बर्दाश्त नही किया जायेगा : विजय शंकर नायक

रांची। आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने कही इन्होंने इस सबंध में राज्य के मुख्य मंत्री को ईमेल भेजकर झारखण्ड में बढ़ते कड़ाके की ठंड से गरीब-गरबा के जान माल की रक्षा हेतु एवं कोई गरीब ठंड से ना मरे इसके लिए तुरंत व्यापक रूप से कारवाई करने का अनुरोध किया है ।

श्री नायक ने आगे कहा है कि अचानक बढ़ते ठंड ने गरीबो एंव असहाय लोगो का जीना मुश्किल किया है जिससे इन वर्गो को जीवन ठंड से कष्टप्रद होता जा रहा है और मौसम विभाग के अनुसार झारखंड मे तापमान की गिरावट तेजी से होगी और ठंड जरूरत से ज्यादा होगी । ऐसे मे राज्य की हेमंत सरकार का नैतिक कर्तव्य बनता है कि वे राज्य की जनता को इस प्राकृतिक आपदा ठंड से कैसे बचाये इसके लिए तुरंत रोड मैप बनाकर योजना को

धरातल मे कैसे लागु करे ताकि कोई भी गरीब गुरबा असहाय लोगो की ठंड से मौत न हो सके । श्री नायक ने आगे कहा है कि इस संदर्भ मे आदिवासी मुलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष की हैसियत से आपसे यह मांग करता हूं कि राज्य के सभी उपायुक्त एंव अनुमंडल पदाधिकारी को कड़े शब्दो मे यह आदेश निर्गत करे कि जल्द से जल्द राज्य के सभी गरीब, गरबा, असहाय लोगो को ठंड से निजात दिलाने हेतु युद्ध स्तर पर कंबल वितरण एंव सभी ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रो के विभिन्न चौक चौराहो पर अलाव जलाने की व्यवस्था किया जाए ।अगर इसके बावजूद भी अगर कोई गरीब की मौत ठंड से होती है तो वहां के उपायुक्त एवं एसडीओ को मान कर तुरन्त सेवा से बर्खास्त किया जाय ।

कैसे बढ़े चुनावों में मतदान का प्रतिशतः डॉ० आर.के.सिन्हा

महाराष्ट्र और झारखंड विधान सभाओं के लिए हुए चुनावों के नतीजे आ चुके हैं। अब दोनों राज्यों में नई सरकारों का गठन भी हो गया है । झारखंड और महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री और कुछ मंत्रियों ने शपथ भी ले ली है।

महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव में 65 फीसद से अधिक मतदान हुआ है, जो पिछले 30 वर्षों में सबसे अधिक है। यह दो कारणों से उल्लेखनीय हैः पहला, यह 2024 के लोकसभा चुनाव के आंकड़े से लगभग चार प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है; और दूसरा, यह चुनावों में औसत राष्ट्रीय मतदान के करीब है, जो लगभग 65-66% आंका गया है।

लेकिन, प्रश्न यह उठता है कि क्या मतदान का यह प्रतिशत क्या किसी भी मजबूत लोकतंत्र के लिये पर्याप्त है? बिल्कुल नहीं! तो फिर किया क्या जाये! पर यह तो पूरे तो पूरे देश के सभी जिम्मेदार नागरिकों को यह सोचना ही होगा कि चुनावों में मतदान को कैसे बढ़ाया जा सकता है। यह गंभीर मसला है। जैसा कि मैंने ऊपर कहा है कि महाराष्ट्र विधान सभा के लिए हुए चुनाव में 65 फीसद से अधिक मतदान हुआ है, जो पिछले 30 वर्षों में सबसे अधिक है। यह दो कारणों से उल्लेखनीय हैः पहला, यह 2024 के लोकसभा चुनाव के आंकड़े से लगभग चार प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है; और दूसरा, यह चुनावों में औसत राष्ट्रीय मतदान के करीब है, जो लगभग 65-66% आंका गया है। महाराष्ट्र के आंकड़ों पर इसलिए गौर किया जाता है क्योंकि राज्य में देश की सबसे बड़ी शहरी आबादी है, और ऐतिहासिक रूप से यह शहरों और कस्बों में कम मतदान के कारण औसत राष्ट्रीय मतदान से पीछे रहा है।

हालांकि, महाराष्ट्र के आंकड़े का गहराई से अध्ययन करने पर पता चलता है कि शहरी क्षेत्रों में मतदान के प्रति उदासीनता पूरी तरह से गायब नहीं हुई है। उदाहरण के लिए, पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले में 76.25% का उच्च मतदान दर्ज किया गया, उसके बाद गढ़चिरौली का स्थान है, जो माओवादियों की गतिविधियों के लिए सुर्खियों में रहता है , जहाँ 73.68% मतदान हुआ है, जबकि मुंबई शहर जिले में 52.07% का कम मतदान हुआ। पुणे, ठाणे और मुंबई उपनगरीय जैसे अन्य शहरी जिलों में भी इसी तरह के आंकड़े दर्ज किए गए हैं।

हालांकि, सकारात्मक पहलू यह है कि पूरे राज्य में मतदान में समग्र सुधार हुआ है।इस बदलाव का श्रेय, हालांकि अपेक्षाकृत धीमा और क्रमिक है, इसका मुख्य रूप से श्रेय भारत के

वर्तमान चुनाव आयोग को जाता है। मतदान बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग इस बार काफी सक्रिय था। इसके अभियान में, सोशल मीडिया सहित, स्थानीय हस्तियों - क्रिकेटरों से लेकर फिल्म सितारों तक को भी शामिल किया गया है, और इसमें ऊँची इमारतों और आवासीय सोसायटियों में मतदान केंद्र स्थापित करना और कतार में लगने के समय को कम करने के लिए टोकन प्रणाली शामिल है। राजनीतिक दलों के उच्च-वोल्टेज अभियानों ने भी मतदाता भागीदारी बढ़ाने में मदद की है।महाराष्ट्र में बेहतर मतदान भारतीय लोकतंत्र के लिए आश्वस्त करने वाला है।

हालांकि यह मानना होगा कि देश के शहरी इलाकों में मतदान कमोबेश कम ही रहता है।शिमला से सूरत तक शहरी मतदाता की उदासीनता लगातार बनी हुई है। यह रुझान नया नहीं है। चुनावों के पहले तीन दशकों में, शहरी मतदाताओं की भागीदारी काफी बेहतर रहती थी। 1980 के दशक से शहरी और ग्रामीण मतदान के बीच का अंतर बढ़ गया है। शहरी उदासीनता को समझना होगा। शहरी भारत का जीडीपी में 60% और करों में बहुत बड़ा हिस्सा है। पर हमारे यहां के शहरों की हालत लगातार खराब हो रही है। आजकल दिल्ली में प्रदूषण का स्तर जिस तरह का हो गया है, उसने आम लोगों का जीना दूधर कर दिया है। दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी बन गई है। यह तो राजधानी की हालत है। गुजरे कुछ सालों के दौरान दिल्ली, मुंबई, चैन्नई, बैंगलुरू जैसे देश के अति अहम महानगर बारिश से जलमग्न होते रहे। इनमें जिंदगी कई दिनों तक थमी रही। सड़कों पर जलभराव के कारण जाम लग गए, रेल सेवा प्रभावित हुई, घरों में पानी जाता रहा, स्कूल-कॉलेज बंद हो गए। देश के इन खासमखास शहरों की तस्वीर बहुत कुछ बयां कर गई। यह कोई पहली बार नहीं हुआ। यह स्थिति हर साल होती है, योजनाएं बनती हैं ताकि बारिश के बाद होने वाली अव्यवस्था और अराजकता की पुनरावृत्ति ना हो। पर योजनाएं फाइलों में गुम हो जाती हैं।यह समझना होगा कि शहरी भारत, देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं।